नवभारत पाठकों के लिए आचार्य महाश्रमण से विशेष भेंट

भ्रष्टाचार का सटीक समाधान है अणुव्रत

तेरापंथ धर्मसंध के 11वें अधिशास्ता एवं अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण ने देश में बढ़ते भ्रष्टाचार एवं अनैतिकता के बोलबाले का सटीक समाधान अणुव्रत को बताया है। उन्होने नवभारत के लिए विशेष तौर पर संवाददाता ईश्वरचन्द जैन को राजस्थान के सरदारशहर में साक्षात्कार दिया। आचार्य महाश्रमण से जब पूछा गया कि सम्पूर्ण विश्व आतंक का दंश झेल रहा है। इसका सटिक समाधान क्या हो सकता है, तो उन्होने कहा कि विश्व की अनेक समस्याओं का समाधान अणुव्रत से हो सकता है। उल्लेखनीय है कि अणुव्रत जन आन्दोलन का रूप ले रहा है। इससे 2 लाख शिक्षक जुड़े हुए है। अणुव्रत को सभी सम्प्रदाय के लोग सम्प्रदाय विहिन व्यक्ति व्यक्ति का धर्म के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। इसमें विद्यार्थी वर्ग,शिक्षक वर्ग,सामाजिक व्यक्ति,राजनीतिक लोगों के लिए अलग अलग छोटे छोटे नियम बने हुए है। जिनको स्वीकारने से न केवल भ्रष्टाचार जैसी महामारी का इलाज संभव होता है बल्कि हिंसक घटनाओं और नक्सलवाद, आतंकवाद जैसी विश्व स्तर की समस्याओं का समाधान भी प्रस्तुत होता है। तेरापंथ के नवमाधिस्ता आचार्य तुलसी द्वारा प्रवर्तित इस अणुव्रत आन्दोलन से प्रारंभ में देश के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र बाबू प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नहेरू, इंदिरा गांधी, डॉ.राधाकृष्ण, मोरारजी देसाई आदि अनेक राजनीतिक हस्तियां जुड़ी हुई थी। अभी पीछले दिनों में इसके कार्यकत्ताओं का एक विशाल अधिवेशन सरदारशहर में आयोजित किया गया था। जिसमें इसको पुनः सक्रिय एवं गति देने पर विशेष तौर पर बल दिया गया।

आचार्य महाश्रमण ने उड़िसा वासियों को विशेष सन्देश देते हुए कहा कि अणुव्रत के नियमों को नियमों को जीवन में उतारकर देश की अखण्डता में योगदान दें। उन्होने कहा कि अणुव्रत के द्वारा मनुष्य सही अर्थ में मनुष्य बन सकता है। आचार्य महाश्रमण ने कन्या भ्रूण हत्या के बढ़ते आंकड़ो पर कहा कि महिला समाज स्वयं जागरूक बने यह अपेक्षा है। ज्ञातव्य है कि आचार्य महाश्रमण के अनुशासना में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के 60 हजार कार्यकत्ताओं द्वारा कन्या भ्रूण हत्या के विशेष में निषेध अभियान चलाया जा रहा है। इन कार्यकत्ताओं ने सम्पूर्ण देश से 2.40 लाख कन्या भ्रूण हत्या निषेध फॉर्म भरायें है। मण्डल द्वारा महिलाओं में इसके प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सेमिनार, कक्षाओं और स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर रैली का आयोजन, पोस्टर बैनर आदि का प्रयोग किया जा रहा है।